

INVESTMENT AVENUES®

इन्वेस्टमेंट एवेन्यूज

भोपाल, शनिवार 05 से 11 सितंबर 2026

भोपाल, मध्यप्रदेश से प्रकाशित

वर्ष- 14

अंक-107

पृष्ठ- 8

मूल्य- रु. 5/-

पीएम मोदी ने बिश्केक में 26वें एससीओ शिखर सम्मेलन में लिया हिस्सा सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर पर जोर, आतंक के पूरे नेटवर्क को खत्म करने का आह्वान

बिश्केक: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किर्गिज गणराज्य की राजधानी बिश्केक में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन में भाग लिया। सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर 2026 तक चला और एससीओ की 25वीं वर्षगांठ पर आयोजित हुआ। अध्यक्षता किर्गिज राष्ट्रपति सादिर जापारोव ने की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि साझा भूगोल को साझा अवसरों में बदलना होगा। भारत का फोकस सुरक्षा, कनेक्टिविटी और अवसर के तीन स्तंभों पर है। उन्होंने आतंकवाद, उसके वित्तपोषण, भर्ती और सुरक्षित ठिकानों के पूरे इकोसिस्टम को खत्म करने की जरूरत बताई तथा दोहरे मापदंडों को अस्वीकार किया। बिश्केक घोषणापत्र में आतंकवाद पर भारत की चिंताएं शामिल हुईं। एससीओ चार्टर में अंग्रेजी को आधिकारिक भाषा बनाने का भारत का प्रस्ताव भी स्वीकार हुआ।

सम्मेलन में जलवायु, ऊर्जा संरक्षण, परमाणु सुरक्षा और नशीले पदार्थों की रोकथाम से जुड़े समझौते और फैसले हुए। प्रधानमंत्री ने बाजार जोड़ने, व्यापार बढ़ाने और विकास के नए रास्ते खोलने का समर्थन किया। कनेक्टिविटी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करते हुए बढ़नी चाहिए।

कनेक्टिविटी और मध्य एशिया व्यापार से इंफ्रास्ट्रक्चर, लॉजिस्टिक्स और रेल-रोड कंपनियों को लाभ मिल सकता है। ऊर्जा सहयोग से नवीकरणीय ऊर्जा, पावर और सिविल न्यूक्लियर क्षेत्र की कंपनियां लाभान्वित हो सकती हैं। फार्मा, आईटी, रक्षा उत्पादन और कृषि निर्यात भी क्षेत्रीय बाजारों में अवसर पा सकते हैं।



Madhya Pradesh Takes Investment Pitch to Dubai Ahead of GIS 2027

MPIDC to Meet Global Investors on September 8 at Taj Dubai, Business Bay

Bhopal/Dubai: The Government of Madhya Pradesh and the MP Industrial Development Corporation (MPIDC) will host an investor outreach programme in Dubai on 8 September 2026 as part of the "Road to GIS 2027" campaign. The event will be held at Taj Dubai, Business Bay.

The outreach aims to connect industries with global markets and invite companies to explore the state's location advantage before the Global Investors Summit in Bhopal in January 2027. Officials will brief investors on land, infrastructure, policy support and project pathways for setting up or expanding operations in the state.

Madhya Pradesh is highlighting its position at the heart of India, extensive road and rail connectivity, first- and last-mile linkages, access to major industrial and trade corridors, and connectivity to domestic and international gateways. The state is also pitching surplus power, industrial parks and faster approvals as part of its ease-of-doing-business drive.

The Dubai meeting is one of several overseas engagements planned before GIS 2027, along with outreach in South Korea and Singapore. The focus is on electronics, automobiles, batteries, pharmaceuticals, data centres, renewable energy, food processing and advanced manufacturing.

MPIDC Managing Director Chandramauli Shukla has said the state already has a pipeline of foreign projects moving towards implementation and now wants more technology-intensive and export-linked investments. Interested investors can register through sws.invest.mp.gov.in.

The Dubai event is expected to strengthen Madhya Pradesh's pitch among UAE-based and international businesses looking at India as a manufacturing and logistics base.

आपने 10 साल नहीं गंवाए।
आपने ₹1.23 करोड़ गंवाए।

30 साल की उम्र में ₹10,000/माह की SIP, 12% रिटर्न के साथ शुरू की।
उम्र 55 ~ ₹1.70 करोड़।

40 साल की उम्र में ₹10,000/माह की SIP, 12% रिटर्न के साथ शुरू की।
उम्र 55 ~ ₹47 लाख।

₹1.23 करोड़

आइए शुरुआत करें, इससे पहले कि यह अंतर और बढ़ जाए।



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

☎ (+91)7389912025

✉ visionadvisorymkt@gmail.com

ONGC Reviews Venezuela Assets After US Approval to Resume Operations

OVL Team Visits San Cristobal and Carabobo-1 Fields; Talks on to Take Operatorship

New Delhi: ONGC Videsh Ltd (OVL) has sent a team to Venezuela to review its oil assets after receiving US government approval in July to resume operations, ending years of sanctions-related restrictions.

A group of nearly a dozen officials began a seven-day visit this week to inspect fields and meet Venezuelan energy officials, the first such trip in years. OVL holds a 40 per cent stake in the San Cristobal field and an 11 per cent stake in the Carabobo-1 block. Indian Oil Corporation and Oil India each hold 3.5 per cent in Carabobo-1.

Managing Director Rajarshi Gupta said

both assets have substantial potential to multiply production. OVL is negotiating a framework agreement covering fiscal terms, operating terms and subsurface conditions, and is keen to take over operatorship of both projects.

The company has also been in talks with Venezuela's PDVSA over about \$500 million in dividends stuck due to earlier sanctions, which may be paid in cash or crude oil.

ONGC told exchanges that framework agreements for both assets are under discussion and that the financial impact cannot yet be quantified. Venezuelan

crude supplies to India have started recovering after years of disruption. The visit marks a fresh attempt by India's overseas oil arm to revive long-stalled investments and raise output from its Latin American portfolio



एचएएल की ₹13,500 करोड़ की हेलीकॉप्टर डिजाइन योजना को जल्द मिल सकती है सीसीएस मंजूरी

आईएमआरएच स्वदेशी मध्यम लिफ्ट हेलीकॉप्टर सेना और वायुसेना के लिए, अरावली इंजन से होगा संचालित

नई दिल्ली: हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के भारतीय मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (आईएमआरएच) की डिजाइन विकास योजना को कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) से जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार डिजाइन चरण के लिए करीब ₹13,500 करोड़ का आवंटन कॉस्टिंग कमेटी से साफ हो चुका है।

आईएमआरएच करीब 13 टन का स्वदेशी मध्यम लिफ्ट हेलीकॉप्टर है, जिसे भारतीय सेना और वायुसेना के लिए विकसित किया जा रहा है। यह पुराने रूसी मूल के एमआई-17 बेड़े की जगह लेगा। नौसेना के लिए डेक-बेस्ड मल्टी-रोल हेलीकॉप्टर (डीबीएमआरएच) भी इसी प्लेटफॉर्म पर तैयार किया जाएगा।

हेलीकॉप्टर को एचएएल और फ्रांस की सैफरान के संयुक्त उद्यम SAFHAL द्वारा विकसित अरावली टर्बोशाफ्ट इंजन से संचालित किया जाएगा। यह भारत में डिजाइन होने वाला पहला उच्च शक्ति वाला हेलीकॉप्टर इंजन माना जा रहा है। दोनों प्लेटफॉर्म द्वि-इंजन होंगे।

सीसीएस मंजूरी मिलने पर कार्यक्रम डिजाइन और विकास चरण में तेजी से आगे बढ़ सकेगा। यह कदम रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता, एयरोस्पेस इकोसिस्टम और घरेलू सप्लाय चेन को मजबूत करेगा। इंजन और एयरफ्रेम विकास से प्रिसिजन मशीनिंग, कास्टिंग और एवियोनिक्स जैसे क्षेत्रों की कंपनियों को भी अवसर मिल सकते हैं।



आरबीआई के फॉरेक्स स्वेप से आए 136.38 अरब डॉलर

एफसीएनआर(बी) जमा से आया सबसे बड़ा हिस्सा, रुपये और रिजर्व को मिला सहारा

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक के विशेष डॉलर-रुपया फॉरेक्स स्वेप सुविधा के तहत 31 अगस्त तक 136.38 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह आया है। आरबीआई द्वारा जारी अनंतिम आंकड़ों के अनुसार यह राशि अनुमान से काफी अधिक रही।

कुल 136.377 अरब डॉलर में से एफसीएनआर(बी) जमा से 127.226 अरब डॉलर आए, जो लगभग 93 प्रतिशत है। ओवरसीज फॉरेन करेंसी बॉरोइंग से 5.26 अरब डॉलर और बाहरी वाणिज्यिक उधार (ईसीबी) से 3.89 अरब डॉलर आए। आंकड़े अंतिम रिपोर्टिंग और समाधान के अधीन हैं।

यह सुविधा 8 जून 2026 को शुरू की गई थी, ताकि तेल कीमतों और पूंजी बहिर्वाह के दबाव में रुपये को सहारा दिया जा सके। बैंक इन प्रवाहों को आरबीआई से स्वेप करते हैं, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ता है। एफसीएनआर(बी) खिड़की भारी प्रतिक्रिया के कारण 31 अगस्त को बंद कर दी गई, जबकि ईसीबी और ओएफसीबी के लिए सुविधा 31 दिसंबर तक खुली रहेगी।

21 अगस्त तक यह राशि करीब 73 अरब डॉलर थी, यानी अंतिम दिनों में प्रवाह तेजी से बढ़ा। स्वेप जमा की अवधि तीन से पांच वर्ष है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार अगस्त के तीसरे सप्ताह में 729.33 अरब डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुका था।

यह पहल रुपये को स्थिर रखने और बाहरी खाते को मजबूत करने में मददगार मानी जा रही है। बैंकों को अब इन जमाओं को बनाए रखने के लिए सामान्य मूल्य निर्धारण पर निर्भर रहना होगा।



मध्य प्रदेश की जनजातीय कला अब डिजिटल मंच पर, दूरदराज के कारीगरों को मिलेगी नई पहचान

एनआईडी एमपी और जनजातीय कार्य विभाग बना रहे पोर्टल; गोंड, भील, बैगा समेत सात समुदायों की कला और ओडीओपी उत्पाद दिखेंगे

भोपाल: मध्य प्रदेश के दूरदराज इलाकों के जनजातीय कारीगरों को जल्द एक साझा डिजिटल पहचान और व्यापक बाजार तक पहुंच मिलेगी। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन (एनआईडी) मध्य प्रदेश और जनजातीय कार्य विभाग एक समर्पित पोर्टल विकसित कर रहे हैं, जहां उनकी कलाकृतियां, संस्कृति और कहानियां एक जगह दिखेंगी। यह पोर्टल एक एकल भंडार की तरह काम करेगा, जहां आगंतुक जनजातीय शिल्प देख सकेंगे, कारीगरों के बारे में जान सकेंगे और प्रत्येक उत्पाद के पीछे की पारंपरिक ज्ञान व तकनीक समझ सकेंगे। एनआईडी एमपी की निदेशक विद्या राकेश ने कहा कि उद्देश्य कारीगरों को स्थानीय बाजार और कभी-कभार लगने वाली प्रदर्शनियों से आगे दृश्यता देना है। उनकी कला, समुदाय और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध होगी। पोर्टल पर गोंड, भील, बैगा, कोरकू, कोल, भारिया और सहरिया समुदायों के कारीगर शामिल होंगे। उत्पादों में गोंड, भील और बैगा चित्रकला, बांस, लकड़ी, मिट्टी और टेराकोटा शिल्प, हस्तनिर्मित

आभूषण, वस्त्र तथा अन्य उपयोगी व सजावटी वस्तुएं होंगी।

यह मंच सीधे बिक्री नहीं करेगा। खरीदारों को वाणिज्यिक और ई-कॉमर्स पोर्टलों की ओर भेजा जाएगा। एनआईडी एमपी के एजुकेशन एक्टिविटी चेयर प्रमोद मार्शल ने कहा कि इसे बाजार नहीं, बल्कि खोज और सुविधा का मंच माना जा रहा है। यह तीन वर्षीय परियोजना है, जिसमें अब एक वर्ष शेष है।

राज्य की वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल के उत्पाद भी पोर्टल पर दिखेंगे। इनमें धार का बाघ प्रिंट, अशोकनगर की चंदेरी हैंडलूम, देवास के बांस उत्पाद और उज्जैन का बाटिक प्रिंट शामिल हैं। इससे जिला विशिष्ट शिल्प को भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

मध्य प्रदेश में देश की सबसे बड़ी जनजातीय आबादी है और गोंड-बैगा जैसी कलाएं पहले से अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुकी हैं। डिजिटल मंच से बिचौलियों पर निर्भरता घट सकती है, कारीगरों की

आय बढ़ सकती है और पारंपरिक ज्ञान का दस्तावेजीकरण हो सकेगा। पर्यटन, निर्यात और सांस्कृतिक संरक्षण के लिहाज से यह कदम महत्वपूर्ण है। सफल क्रियान्वयन पर यह पोर्टल 'मेड इन एमपी' जनजातीय कला को वैश्विक मंच पर ले जाने वाला सेतु बन सकता है।



Slow and Steady Builds the Wealth

Speed Isn't Everything



We All Know Who Wins in the End



Stay invested. Stay ahead.

*Mutual funds are subject to market risk



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

☎ (+91)7389912025 ✉ visionadvisorymkt@gmail.com



Is Your Child's Marriage Fund Ready?

Planning for your child's wedding may require a corpus of around **₹24 lakh.**



A SIMPLE PLAN CAN GET YOU THERE



A ₹7,000 SIP



With a 10% Annual Step-up



For 10 Years



Can build
~ ₹24 Lakh
corpus for child's wedding



Need less than ₹24 lakh?

The rest can support your next big goal
vacation, home, retirement, re-investment, or more.

LET'S PLAN FOR THE BIG DAY.



Connect to know more

*Mutual fund investments are subject to market risk. Assumed returns @12% p.a. Figures are approximate

wealthy



Vision Invest Tech Private Limited

ARN: 10613 | AMFI Registered Mutual Fund Distributor

☎ (+91)7389912025 ✉ visionadvisorymkt@gmail.com



Coal India's Mahanadi Coalfields Files IPO Papers; Parent to Offload 10% Stake

Entirely an offer for sale of 66.18 crore shares; Odisha miner is India's largest coal producer by output; listing planned on BSE and NSE

Mumbai: Mahanadi Coalfields Ltd (MCL), a wholly owned subsidiary of Coal India, has filed a draft red herring prospectus with Sebi for an initial public offering. The issue is entirely an offer for sale. Coal India will sell 66.18 crore equity shares, or about 10% of MCL. The coal producer will not receive any proceeds; the entire amount will go to the parent.

MCL is India's largest coal producer by output. It produced 218.31 million tonnes in FY26, about 22.4% of the country's non-coking coal and roughly 28% of Coal India's production. Its Talcher and Ib Valley coalfields in Odisha hold estimated resources of about 106.76 billion tonnes. Audited reserves of 9,840.31 million tonnes could sustain current production for around 45 years.

The Miniratna Category I company reported FY26 profit of Rs 10,698 crore, down 1.2%, and revenue of Rs 30,550

crore, down 2.6%. In the quarter ended June 2026, profit was Rs 2,399 crore and revenue Rs 8,034 crore. It produces various grades of non-coking coal, including washed coal.

If listed, MCL will be the third Coal India subsidiary on the exchanges after Central Mine Planning & Design Institute and Bharat Coking Coal. Coal India had earlier indicated it could divest up to 25% in MCL and South Eastern Coalfields. Book-running lead managers include SBI Capital Markets, Axis Capital, BOB Capital Markets, IDBI Capital and IIFL Capital. Shares are proposed to be listed on BSE and NSE.

The issue will follow the book-building route, with allocations for QIBs, non-institutional investors and retail bidders. For investors, the IPO offers exposure to a large, cash-generative mining company with a long reserve life.

Risks include policy and environmental scrutiny of coal, contractor dependence and the energy transition. Price band and issue dates will be set after Sebi clearance. The filing is part of the Centre's push to unlock value from public-sector coal assets.



एलएंडटी फाइनेंस हर साल 500 गोल्ड लोन शाखाएं खोलेगी, पांच साल में नेटवर्क

गोल्ड फाइनेंस बुक में 50-60 प्रतिशत वृद्धि का लक्ष्य; जसप्रीत बुमराह के साथ नया अभियान शुरू

भिंड: एलएंडटी फाइनेंस अगले चार-पांच वर्षों में हर साल कम से कम 500 समर्पित गोल्ड लोन शाखाएं खोलने की योजना बना रही है। इससे देशभर में शाखा नेटवर्क 2,500 से 3,000 तक पहुंच सकता है। कंपनी के होल-टाइम डायरेक्टर और मुख्य परिचालन अधिकारी राजू दोदती ने अहमदाबाद में यह जानकारी दी।

वर्तमान में कंपनी की 343 सक्रिय गोल्ड लोन शाखाएं हैं। चालू वित्त वर्ष के अंत तक इन्हें 800 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। जून 2025 में चंडीगढ़ स्थित कंपनी से अधिग्रहित गोल्ड फाइनेंस व्यवसाय 130 शाखाओं से शुरू हुआ था। मार्च 2026 तक 200 से अधिक नई शाखाएं जोड़ी गईं।

विस्तार सभी क्षेत्रों में होगा। पहले पूर्व, फिर पश्चिम, दक्षिण और उत्तर पर जोर रहेगा, लेकिन एक क्षेत्र पूरा होने का इंतजार नहीं किया जाएगा। पश्चिम क्षेत्र में सालाना कम से कम 100 शाखाएं खुलेंगी, जिनमें गुजरात में 50-60 शाखाएं शामिल हो सकती हैं।

जून 2026 तक गोल्ड फाइनेंस बुक करीब 3,800 करोड़ रुपये थी, जबकि कुल ऋण बही 1.29 लाख करोड़ रुपये है। पहली तिमाही में गोल्ड लोन पोर्टफोलियो सालाना आधार पर 182 प्रतिशत बढ़कर 3,829 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी कुल ऋण बही में 20-25 प्रतिशत और गोल्ड फाइनेंस में 50-60 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की उम्मीद करती है। पांच वर्षों में गोल्ड लोन का हिस्सा कुल बही के 10 प्रतिशत से अधिक हो सकता है।

दोदती ने कहा कि भारत के घरों में करीब 28,000 टन सोना है, जिसका केवल 8 प्रतिशत मौद्रिकृत है। संगठित गोल्ड लोन बाजार करीब 20-21 लाख करोड़ रुपये का है। असंगठित क्षेत्र से बाजार हिस्सा लेने की बड़ी गुंजाइश है। गोल्ड लोन की ब्याज दरें होम लोन से अधिक इसलिए हैं क्योंकि सुरक्षित भंडारण और शाखा इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत अधिक होती है।

कंपनी ने क्रिकेटर जसप्रीत बुमराह के साथ नया गोल्ड लोन अभियान शुरू किया है। यह आठ राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश की करीब 150 शाखाओं में चलेगा। अहमदाबाद के एक अध्ययन में 53 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने गोल्ड लोन में रुचि दिखाई। निवेशकों के लिए यह कदम रिटेल और सुरक्षित ऋण पोर्टफोलियो को मजबूत करने का संकेत है।



India's EV Sales Surge 51% in August; Two-Wheelers Lead the Charge

Festival holidays cut monthly registrations 12%, but dealers say demand remains strong; Tata Motors tops electric cars

Mumbai: Electric vehicle sales in India jumped 51% year-on-year in August but slipped 12% from July, industry data showed. Executives attributed the sequential drop to holidays at regional transport offices during festivals such as Onam and Rakshabandhan, which delayed registrations. Dealers said consumer interest remains intact. Electric passenger vehicle registrations stood at 29,687 units in August, down 12% from a record 33,746 in July. Sales had risen every month from March through July. Tata Motors remained the largest EV carmaker with 12,984 registrations, followed by Mahindra & Mahindra at 6,367 and JSW MG Motor at 4,568. Tata grew 61% year-on-year, Mahindra 54%, while MG Motor declined about 19% from a year earlier. In electric two-wheelers, sales across the top five listed companies rose 69% year-on-year to 160,000 units. Bajaj Auto surged 235% and TVS Motor 91%. Ola

Electric was the only major player to post a year-on-year decline, falling 29%. Sequentially, all major e-two-wheeler brands sold fewer units than in July, resulting in an 11% drop for the segment. E-2W penetration eased to 10.7% from 11.2% in July but stayed well above year-ago levels.

Manufacturers including Tata Motors, Mahindra, JSW MG, Bajaj, TVS and Ather Energy are expanding capacity and commissioning greenfield plants to meet demand. January–August electric passenger vehicle registrations were about 2.12 lakh units, up nearly 80% from a year earlier. Electric two-wheeler registrations in the first eight months have already surpassed full-year 2025 volumes. The August dip looks seasonal rather than a demand reversal. Festive-season buying and better registration days could lift volumes again in September and October. For investors, the data reinforces a multi-year EV adoption trend in both cars

and two-wheelers, even as individual brands face supply constraints and shifting market share. Charging infrastructure, battery costs and policy support will remain key to sustaining this growth.



कोल इंडिया का 50,000 करोड़ का दांव: कोयले से आगे गैसिफिकेशन और क्रिटिकल मिनरल्स

ओडिशा में पहला व्यावसायिक प्लांट शुरू; लिथियम के लिए चिली-ऑस्ट्रेलिया में तलाश, 2030 तक 9.5 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता

नई दिल्ली: कोल इंडिया पारंपरिक खनन से आगे बढ़ते हुए करीब 50,000 करोड़ रुपये के कोयला गैसिफिकेशन प्रोजेक्ट्स पर दांव लगा रही है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक बी. सैराम के अनुसार कंपनी विदेश में क्रिटिकल मिनरल्स, खासकर लिथियम, की भी तलाश कर रही है और वित्त वर्ष 2030 तक 9.5 गीगावाट नवीकरणीय क्षमता का लक्ष्य रखती है।

सैराम ने कहा कि कंपनी सरकार की कोयला गैसिफिकेशन पहल के प्रति प्रतिबद्ध है। 37,500 करोड़ रुपये की योजना परियोजनाओं को तेज करेगी तथा आयात प्रतिस्थापन, ऊर्जा सुरक्षा और घरेलू कोयले में मूल्यवर्धन में मदद करेगी। कंपनी टेक्नोलॉजी प्रदाताओं, डेवलपर्स और सिनैस उपभोक्ताओं के साथ साझेदारी कर देश में गैसिफिकेशन इकोसिस्टम बनाना चाहती है।

पहला व्यावसायिक प्रोजेक्ट अब क्रियान्वयन चरण में है। ओडिशा के लखनपुर में भारत कोल गैसिफिकेशन एंड केमिकल्स (बीसीजीसीएल) में मैकेनिकल इरेक्शन शुरू हो चुका है। बीसीजीसीएल कोल इंडिया और बीएचईएल का 51:49 संयुक्त

उद्यम है। इसमें 25,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश होगा और सालाना 6.60 लाख टन अमोनियम नाइट्रेट बनेगा। केंद्र की प्रोत्साहन योजना से 1,350 करोड़ रुपये मिल चुके हैं।

पश्चिम बंगाल में गेल और महाराष्ट्र में बीपीसीएल के साथ दो और परियोजनाएं डीपीआर तथा टेंडरिंग चरण में हैं। तीनों प्रोजेक्ट्स का कुल निवेश करीब 50,000 करोड़ रुपये है। इनसे आयातित रसायनों और प्राकृतिक गैस पर निर्भरता घटने की उम्मीद है।

क्रिटिकल मिनरल्स में कंपनी ने ग्रेफाइट, दुर्लभ मृदा और दुर्लभ धातुओं वाले पांच परिसंपत्तियां हासिल की हैं। चिली, अर्जेंटीना और ऑस्ट्रेलिया में अवसर तलाशे जा रहे हैं। चिली में लिथियम परिसंपत्ति में हिस्सेदारी की चर्चा चल रही है। विदेशी अधिग्रहण के लिए सिंगापुर में सीआईएल ग्लोबल कंपनी बनाई गई है। नवीकरणीय ऊर्जा में सोलर परियोजनाओं के साथ बैटरी स्टोरेज जोड़ने की योजना है।

निवेशकों के लिए यह कदम कोल इंडिया को खनन से ऊर्जा-रसायन और खनिज सुरक्षा वाली कंपनी में बदलने का संकेत है। सफलता निष्पादन, तकनीक और वैश्विक सौदों पर निर्भर करेगी।



BHEL Pays ₹283.56 Crore Final Dividend to Government for FY26

Payout More Than 2.5 Times Higher; Total Dividend to Shareholders at ₹487.49 Crore

New Delhi: Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL) has paid a final dividend of ₹283.56 crore for 2025-26 to the Government of India, which holds a 58.17 per cent equity stake in the company. A cheque was presented to Union Minister of Heavy Industries and Steel H. D. Kumaraswamy by BHEL Chairman and Managing Director K. Sadashiv Murthy. The amount paid to the Centre is more than two and a half times the ₹109.98 crore received in FY25.

BHEL declared a 70 per cent final dividend of ₹1.40 per share on a face value of ₹2. The total payout to all shareholders stands at ₹487.49 crore, compared with ₹174.10 crore in the previous year.



The higher dividend follows stronger operating performance. Provisional turnover rose about 18 per cent to around ₹32,350 crore. The company secured orders of about ₹75,000 crore during the year, taking its outstanding order book to nearly ₹2.4 lakh crore.

The increased contribution to the exchequer reflects improved profitability and cash generation at the state-owned engineering major. BHEL remains a key player in power equipment, industrial systems and emerging areas such as green hydrogen and defence manufacturing. The dividend payout underlines the government's continuing return from its majority holding in the Maharatna company.

NBCC Signs Pact with NHPC to Execute Infrastructure Projects Across India

MoU Covers Buildings, Allied Works and Project Management Consultancy

Bengaluru: State-owned NBCC (India) Limited has signed a memorandum of understanding with NHPC Limited to execute the hydropower major's infrastructure projects across the country.

Under the agreement, NBCC will provide project management consultancy (PMC) services and undertake specified NHPC works on a deposit-work basis. The scope covers design, engineering, procurement, construction, quality control, installation, commissioning, statutory compliances and handing over of completed projects. The collaboration will include buildings, structures and allied infrastructure on a pan-India basis.

NBCC said the partnership combines NHPC's experience in hydropower and clean power with its own expertise in planning and executing diverse infrastructure projects in line with government guidelines. No project value has been disclosed in the MoU.

The pact is expected to help NHPC speed up non-core civil and campus infrastructure while focusing on its power generation business. For NBCC, it adds another central public sector client to its PMC and construction portfolio.

Both companies are government-owned enterprises with a nationwide presence. Officials said the arrangement will support timely execution, quality control and compliance across multiple locations. The move also reflects growing cooperation among CPSEs to share execution capacity and reduce delays in public infrastructure.

Markets will watch how quickly individual projects are awarded under the framework and whether the partnership translates into a meaningful addition to NBCC's order book.



UpGrad Completes Unacademy Acquisition for Just Over \$200 Million

All-Stock Deal Closes Far Below Peak Valuation; Munjal to Lead Unacademy Within UpGrad

Bengaluru: Ronnie Screwvala-led UpGrad has completed its acquisition of Unacademy Group in an all-stock transaction valuing the test-prep company at just over \$200 million, or about ₹1,955 crore.

The deal closed on September 1 after Competition Commission of India clearance in July. Unacademy shareholders will receive UpGrad shares. Angel investors were cashed out at closing. The valuation is about 94 per cent below Unacademy's 2021 peak of \$3.44 billion.

Co-founder and CEO Gaurav Munjal said the company raised at a peak but sold at a fraction of that value. He added that Unacademy was not under pressure to sell. At closing, the group had annual revenue of around ₹400 crore, most businesses profitable or close to it, and about ₹900 crore in cash.

Munjal will continue as CEO of Unacademy and lead the group's businesses inside UpGrad. The acquisition brings Unacademy's competitive exam preparation, PrepLadder,

Graphy and Airlearn under UpGrad, which focuses on higher education, professional upskilling and study abroad. The combination is one of the largest consolidations in Indian edtech after the post-pandemic correction. UpGrad gains scale in test preparation, while Unacademy's investors get equity in a larger platform. The transaction underlines how valuations in the sector have reset since the boom years.

ऑपेक्स एआई ने इन्फो एज वेंचर्स से जुटाए ₹4.2 करोड़

प्री-सीड राउंड से प्रोडक्शन ऑपरेशंस के एआई प्लेटफॉर्म को मिलेगा विस्तार

बेंगलुरु: एआई स्टार्टअप ऑपेक्स एआई ने इन्फो एज वेंचर्स से प्री-सीड राउंड में ₹4.2 करोड़ जुटाए हैं। कंपनी एंटरप्राइज टेक्नोलॉजी टीमों के लिए प्रोडक्शन ऑपरेशंस का एआई-नेटिव प्लेटफॉर्म बना रही है।

ऑपेक्स की स्थापना प्रणित कुमार और प्रसून कुमार ने की है। प्रसून कुमार सीईओ और सह-संस्थापक हैं। पहली कोड लाइन लिखे आठ महीने के अंदर ही कंपनी ने भारत, ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और अमेरिका के कई उद्यमों में अपना उत्पाद तैनात कर दिया है।

फंड का इस्तेमाल टीम विस्तार, प्रोडक्ट डेवलपमेंट तेज करने, शुरुआती ग्राहकों के साथ तैनाती बढ़ाने और एजेंटिक प्लेटफॉर्म को मजबूत करने में होगा। कंपनी का लक्ष्य एआई आधारित प्रोडक्शन ऑपरेशंस की क्षमताएं बढ़ाना है।

सीईओ प्रसून कुमार ने कहा कि सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट की तरह प्रोडक्शन ऑपरेशंस भी एआई से बदलने के लिए तैयार हैं। ऑपेक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर और एप्लिकेशन संचालन को अधिक स्वचालित बनाने पर काम कर रहा है, ताकि टीमों में मैन्युअल निगरानी के बजाय निर्णय और सुधार पर ध्यान दें।

इन्फो एज वेंचर्स का यह निवेश एंटरप्राइज एआई टूल्स में बढ़ती रुचि को दर्शाता है। भारतीय स्टार्टअप्स अब केवल चैट या कंटेंट टूल्स तक सीमित नहीं रहकर कोर ऑपरेशंस में एआई लगाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। ऑपेक्स के अगले चरण में उत्पाद परिपक्वता और वैश्विक ग्राहक आधार बढ़ाने पर जोर रहेगा।



Insurance-Dekho and RenewBuy Combine to Build India's Largest AI Insurance Platform

Merged Entity to Operate Under Insurance-Dekho Brand; Combined Premiums Cross ₹6,600 Crore

Bengaluru: Insurtech firms Insurance-Dekho and Renew Buy are combining their businesses to create what they describe as India's largest AI-enabled insurance distribution platform by premium generated through point-of-sale persons.

The merged entity will operate under the Insurance-Dekho brand. Ankit Agrawal, founder and CEO of Insurance-Dekho, will lead the combined company. Founders of both firms will remain with the organisation. Financial terms of the consolidation have not been disclosed.

The combined platform will handle more than ₹6,600 crore in premiums and work with over 6 lakh digital

partners. Coverage extends to 98.57 per cent of India's pincodes, based on data as of March 31, 2026. Together, the two companies have issued more than 20 million policies since inception, spanning motor, health, life and commercial insurance.

Insurance-Dekho's strength in northern and western India will be paired with Renew-Buy's southern network. The merger will integrate digital onboarding, policy issuance and AI-based advisory tools. Insurance-Dekho's in-house engines for real-time plan recommendations will be combined with Renew Buy's technology stack to automate partner processes.

The companies said the consolidation is

aimed at expanding insurance penetration beyond large cities through technology and a wider distribution network. Insurers and distributors are increasingly using such platforms to reach smaller towns. The deal underscores the shift towards scale and artificial intelligence in India's retail insurance marketplace.



WEEKLY STOCK PIVOT LEVEL

All level indicated above are based on future prices PP: Pivot Point: This is TRIGGER POINT for buy/sell Based on the price range of the previous Month, R1: Resistance one: 1st Resistance over PP; R2: resistance Two: 2nd Resistance over R1; S1: Support one: 1st support after PP; S2: Support Two: 2nd support after S1

- As per tool, trader should take Buy position just above pp and keep the stop loss of PP and 1st target would be R1
- If R1 is crossed then R2 becomes the next target with the stop loss at R1

Anil Bhardwaj

Technical Head

anil.stockcare@gmail.com

- If R2 is crossed then R3 becomes the next target with the stop loss at R2.
- Similarly, if price goes below PP the trader should SELL price below PP as stop loss and the first target would be S1,
- If S1 is crossed then S2 becomes the next target with the stop loss at S1,
- If S2 is crossed then S3 becomes the next target with the stop loss at S2.

Stock Name	closing	R3	R2	R1	PP	S1	S2	S3
NIFTY	23898	24454	24299	24098	23943	23742	23587	23386
BANK NIFTY	57370	59191	58608	57989	57406	56787	56204	55585
SENSEX	76515	78215	77724	77119	76628	76023	75532	74927
FINNIFTY	26051	26963	26628	26340	26005	25717	25382	25094
MIDCAP	14714	15455	15242	14978	14765	14501	14288	14024
ACC	1287	1361	1332	1310	1281	1259	1230	1208
AXISBANK	1273	1349	1324	1299	1274	1249	1224	1199
ABCAPITAL	407	440	424	416	400	392	376	368
BHARTIARTL	1850	1977	1937	1893	1853	1809	1769	1725
BHEL	433	471	457	445	431	419	405	393
BIUCON	397	423	418	407	402	391	386	375
BEL	408	425	419	414	408	403	397	392
CDSL	1394	1485	1451	1423	1389	1361	1327	1299
DATAPATTERN	4570	4927	4796	4683	4552	4439	4308	4195
ESCORTS	2968	3207	3156	3062	3011	2917	2866	2772
ECHERMOTOR	7655	8513	8282	7969	7738	7425	7194	6881
FEDERAL BANK	342	367	362	352	347	337	332	322
GRINFRAPROJECT	873	928	911	892	875	856	839	820
HDFCBANK	715	778	759	737	718	696	677	655
HCLTECH	1293	1421	1394	1344	1317	1267	1240	1190
HINDUNILVR	1974	2063	2036	2005	1978	1947	1920	1889
HAL	4884	5207	5071	4978	4842	4749	4613	4520
HYUNDAI	2205	2475	2378	2291	2194	2107	2010	1923
IOC	137	144	142	139	137	134	132	129
ICICBANK	1424	1481	1467	1446	1432	1411	1397	1376
INFY	1129	1200	1178	1154	1132	1108	1086	1062
ITC	265	285	277	271	263	257	249	243
KOTAKBNK	425	440	434	430	424	420	414	410
LICHOUSING	566	642	611	588	557	534	503	480
LT	3987	4124	4084	4036	3996	3948	3908	3860
LUPIN	2108	2253	2223	2165	2135	2077	2047	1989
MARUTI	12690	14185	13866	13278	12959	12371	12052	11464
M&M	3175	3541	3454	3315	3228	3089	3002	2863
MGL	1100	1152	1127	1113	1088	1074	1049	1035
MAZGAONDOC	2484	2673	2614	2549	2490	2425	2366	2301
PFC	356	386	372	364	350	342	328	320
RECLTD	319	338	330	325	317	312	304	299
RELIANCE	1329	1413	1373	1351	1311	1289	1249	1227
SBIN	1019	1091	1076	1047	1032	1003	988	959
SUNPHARMA	1899	2046	2016	1957	1927	1868	1838	1779
SHRIRAMFINANCE	1041	1176	1143	1092	1059	1008	975	924
TITAN	5019	5342	5250	5135	5043	4928	4836	4721
TCS	2309	2468	2434	2371	2337	2274	2240	2177
TATAMOTORS	312	332	325	319	312	306	299	293
UPL	586	626	607	597	578	568	549	539
VALENT	319	390	360	340	310	290	260	240
WIPRO	177	192	188	183	179	174	170	165

पीएम मोदी ने 7.8% जीडीपी वृद्धि पर देश को बधाई दी

वैश्विक संकटों के बीच मजबूत आंकड़े, आत्मनिर्भरता और स्वदेशी पर जोर

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि हासिल करने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि लोगों की मेहनत, संकल्प और सामूहिक शक्ति का परिणाम है। वीडियो संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया युद्ध, अस्थिरता और आपूर्ति श्रृंखलाओं के व्यवधान से जूझ रही है, फिर भी भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। कोविड के बाद वैश्विक स्थिरता कम रही, लेकिन भारतीय अर्थव्यवस्था ने मजबूत प्रदर्शन जारी रखा। यह वृद्धि बाजार के कई अनुमानों से बेहतर रही।

उन्होंने कहा कि इस रफ्तार को बनाए रखना जरूरी है और इसके लिए आत्मनिर्भर भारत बनना आवश्यक है। स्वदेशी और वोकल फॉर लोकल पर जोर देते हुए उन्होंने अनावश्यक विदेशी यात्राओं, विदेश में शादियों और जरूरत से ज्यादा सोना खरीदने से बचने की अपील की। इसके बजाय देश में विवाह और स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देने की बात कही।

प्रधानमंत्री के अनुसार सही नीतियां और स्पष्ट मंशा देश को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही हैं। 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य युवाओं के सपनों से जुड़ा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी इसे वैश्विक चुनौतियों के बीच सुधारों का परिणाम बताया। मजबूत वृद्धि से विनिर्माण, सेवा और घरेलू खपत से जुड़े क्षेत्रों में विश्वास बढ़ा है।



Disclaimer: This content is for educational purposes only. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions. Investments are subject to market risks. Please conduct your own research or consult a qualified financial advisor before making any investment decisions.